Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-IV
System Psy.
Date:-28-10-2

~~Distinc~~

Distinction between Freudian and Neo Freudian

फ्रायडवादी तथा नव-फ्रायडवादी में अन्तर

फ्रायडवादी मनोविज्ञान का आधारशिला फ्रायड का योगदान है जिसे मनोविज्ञान का अमूल्य पूर्व धरोहर माना गया है। किन्तु कुछ मनोवैज्ञानिक ऐसे थे जो फ्रायड के विचारों एवं सिद्धान्तों को स्वीकार तो किये परन्तु उसमें व्यापक संशोधन की सिफारिश की। इसमें हार्नी (Horney), फ्रौम (Fromm), सुल्लीमान (Sullivan) तथा इरिकसन के नाम महत्वपूर्ण है। इन्हे नवफ्रायडवादी ~~(Neo-Fredi~~ (Neo-Freudians) कहा गया है। यदि हम फ्रायड तथा नवफ्रायडियन के मनोवैज्ञानिक योगदानों पर विचार करें, तो, इन दोनों में कुछ स्पष्ट अन्तर दिखलाई देता जो इस प्रकार है।

(1) फ्रायड ने जैविक कारकों (biological factors) खासकर यौन मूलप्रवृत्ति (sex instinct) को मानव व्यवहार का प्रमुख निर्धारक माना है। दूसरे तरफ नव फ्रायडवादी (Neo-Freudians) के ~~मनोवैज्ञानिक योगदानों पर विचार करें~~ सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों को मानव व्यवहार का प्रमुख निर्धारक माना है।

(2) फ्रायड के अनुसार दोनो मनोग्रंथि (complexes) अर्थात मातृ-मनोग्रन्थि (oedipus complex) तथा पितृ-मनोग्रन्थि (electra complex) को सार्वजनिक (universal) माना गया है। तथा इसका कारण

Scanned with CamScanner

लैंगिक ईर्ष्या (sexual jealousy) माना है। सार्वजनिक होने के नाते यह सभी मानव जातियों में पाया जाता है। लेकिन कुछ नव फ्रायडीयन जैसे - सुल्ली-भून, फ्रोम तथा हार्नी का मत था की ये मनोग्रन्थियां न तो सार्वजनिक है और न ही इसकी उत्पत्ति में लैंगिक ईर्ष्या का कोई हाथ होता है। इन लोगों ने यह दावा किया है कि बहुत सारे ऐसे संस्कृति है जिनमें पिता एवं पुत्र के बीच संघर्षात्मक प्रतिद्वन्दिता के कारण परिवार में पिता के सुदृढ़ स्थान पर पुत्र द्वारा विरोध किया जाना होता है।

(3) फ्रायड ने चिन्ता को अहं (Ego) के असंतोषजनक कार्यों का परिणाम माना था। जब अहं को पराहं (Super Ego) तथा आहं (Id) से धमकी मिलता है, तो इसमें व्यक्ति को में चिन्ता उत्पन्न होता है। नव फ्रायडीयन में विशेषकर हार्नी (Horney) का मत है कि चिन्ता विशेषकर "मूल चिन्ता" (basic anxiety) की उत्पत्ति तब होती है जब बाल्यावस्था से बच्चों में निःसहायता (helplessness) तथा अलगाव (isolation) का भाव प्रधान होता है और उससे एक तरह की धमकी एवं विद्वेष की भावना उसमें उत्पन्न होती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि नवफ्रायडवाद द्वारा फ्रायडवाद के मौलिक संप्रत्ययों को स्वीकार करते हुए उसे उन्नत बनाने की भरपूर कोशिश की गयी।

End.